जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय
जोधपुर

आनंदम् पाठ्यक्रम दैनिक डायरी

संकाय	:	.....
विभाग	:	.....
विद्यार्थी का नाम	:	.....
पिताजी का नाम	:	.....
माताजी का नाम	:	.....
कक्षा / सेमेस्टर	:	.....
एनरोलमेंट नं.	:	.....
मोबाईल नं.	:	.....
ईमेल	:	.....
स्थायी पता	:	.....

.....

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे

भारत – भाग्य – विधाता ।

पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा

द्राविड़, उत्कल, बंग ।

विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा

उच्छल–जलधि तरंग ।

तव शुभ नामे जागे,

तव शुभ आशिष माँगें,

गाहे तव जय गाथा ।

जन–गण मंगलदायक जय हे,

भारत – भाग्य – विधाता ।

जय हे ! जय हे ! जय हे !

जय जय जय जय हे !

विश्वविद्यालय कुलगीत

विद्या शक्तिः समस्तानां, शक्तिः सर्वत्र पूजिता।
अज्ञाननाषिनी विद्या, ज्ञान ज्योतिः प्रकायिशनी।।
..... विद्या मन्दिर मेरा महान्
जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय है मेरा महान्
सूर्यनगरी का गौरव विद्या मन्दिर मेरा महान्
भारत भू की पुण्य धरा
मरुभूमि राजस्थान।
जोधपुर संभाग में यह तो
सरस्वती वरदान।।
विद्या मन्दिर मेरा महान्।।
विधि–विज्ञान–कला–वाणिज्य
बने हैं इसकी शान।
अभियांत्रिकी निराली जिसकी
छवि है श्रेष्ठ प्रमाण।।
विद्या मन्दिर मेरा महान।।
विश्ववन्द्य विद्वानों ने यहाँ
ज्ञान की ज्योति जलाई।
छात्रवृन्द हैं गौरव इसके
कर्मचारी सब प्राण।।
विद्या मन्दिर मेरा महान्।।
उन्नीस सौ बासठ से इसका
गौरवमय इतिहास

एक बनेंगे नेक बनेंगे
यह संकल्प विधान।।
विद्या मन्दिर मेरा महान, विद्या मन्दिर मेरा महान,
विद्या मन्दिर मेरा महान।।

संविधान–उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व–सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने
के लिये तथा उसके समस्त नागरिकों को,
सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, **धर्म**
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**
प्राप्त कराने के लिये, तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली
बंधुता बढ़ाने के लिये,
दृढ़ संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज
तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी,
संवत दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान**
को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

नागरिकों के मूल कर्तव्य

- संविधान का पालन करें और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें,
- स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें,
- भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण रखे,
- देश की रक्षा करें और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करें,
- भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करें जो स्त्रियों के सम्मान के विरूद्ध है,
- हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवषाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करें,
- प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करें और उसका संवर्धन करें तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखें,
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें,
- सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखें और हिंसा से दूर रहें,
- व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करें जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊंचाइयों को छू ले।
- यदि माता–पिता या संरक्षक हैं, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति बालक या प्रतिपाल्य के लिये शिक्षा के अवसर प्रदान करें।

आनंदम् पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के तहत न्यासिता के आधार पर शिक्षा के अन्तर्गत आनंदम् पाठ्यक्रम का उद्देश्य युवा वर्ग को महत्ती आनंद प्रदान कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना है, जिससे वे सभी तरह के तनावों से मुक्त होकर जीवन का सही अर्थ समझते हुए बेहतर समाज के निर्माण में अपना अनुपम योगदान दे सकें। युवाओं से उम्मीद की जाती है कि वे अपने आपको सेवा और अच्छाई के कार्यों से जोड़ें। इसलिए

- यह पाठ्यक्रम सबके लिए अनिवार्य है,
- प्रतिदिन कम से कम सेवा का एक कार्य करें,
- इस सेवा कार्य को वो अपने निर्धारित रजिस्टर/डायरी में संधारित करें, जिसे संस्था द्वारा निर्धारित आनंदम् समय में दूसरों से साझा करें।
- प्रत्येक टर्म में 64 घंटें का एक सामूहिक सेवा प्रोजेक्ट करेंगे,
- इसकी समीक्षा संकाय सदस्य (शिक्षक) करेंगे।
- कुछ प्रोजेक्ट व संगठन उल्लिखित किये जायेंगे, जिनके साथ विद्यार्थी काम करेंगे, विद्यार्थी स्वयं भी प्रोजेक्ट प्रस्तावित कर सकते हैं।
- सेवा अवसरों को व्यवस्थित करने हेतु आनलाईन प्लेटफार्म तैयार किया जायेगा।
- संकाय सदस्य प्रोजेक्ट्स पर परामर्श देंगे तथा विद्यार्थियों की गतिविधियों की समीक्षा करेंगे।

आनंदम् पाठ्यक्रम के ग्रेड का मूल्यांकन O, A, B, C के रूप में विद्यार्थी की अंकतालिका में अंकित किया जायेगा। अच्छे प्रोजेक्ट्स पर पुरस्कृत भी किए जा सकते हैं।

विस्तृत रूप से आनंदम् पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.jnvu.edu.in पर उपलब्ध है।

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	दिनांक	कार्य विवरण	पृष्ठ	विशेष